Massacre of Dalits in Jahanabad

$*23. SHRI JALALUDIN ANSARI:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Wil! the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the recent massacre of

21 Dalits in Jahanabad district in Bihar by Ranvir Sena of the rich landlords;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) According to information received from the State Government, on January 25, 1999, in the night, Ranvir Sena activists attacked Shankarbigha Tola, PS Mehandia, District Jehanabad.

22 persons were killed in this incident. Besides, 10 persons were injured. Those killed included 9 males, 5 females and 8 children. A case under sections 147/148/ 302/507/324 IPC, 27 Arms Act and V< Harijan Atyachar Nivaran Adhiniyam was registered in this , connection 32 persons have been arrested so far.

The Government condemns all acts of violence. A multi-faceted approach is called for to tackle the ongoing violence in Bihar.

After assessing, inter alia, the law and order situation in the State, Bihar has been placed under President's rule, by invoking the provisions of article 356 of the Constitution of India, with effect from 12.2.199.

$Starred Question Nos. 23 and 27 were taken together.

†The question was actually asked on the floo of the House bv Shri Jalaludin Ansari.

बिहार में सेनाओं द्वारा पैमाने पर हत्याएं किया जाना

$* 77. **श्री प्रफुल्ल गोरड़िया** :
श्री ओंकार सिंह लखावत :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में गत पांच वर्षों के दौरान लूटमार करने वाली सेनाओं द्वारा कितने नरसंहार किए गए हैं और राज्य में विद्यमान निजी सेनाओं संख्या कितनी हैं,

(ख) क्या यह सच हैं कि इन सेनाओं को निरस्त्र करने के लिए राज्य सरकार ने कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की हैं, और

(ग) यदि हां, तो राज्य में कानून-व्यवस्था तंत्र पूरी तरह से चरमरा जाने पर केन्द्रीय सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती हैं ?

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता हैं।

विवरण

(क) से (ग) राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, 1994 से 1999 (19 फरवरी तक) की अवधि के दौरान बिहार में निजी सेनाओं द्वारा नरसंहार की 25 घटनाएं हुई। इन घटनाओं में 220 व्यक्ति मारे गए थे।

नक्सलवादी हिंसा का मुकाबला करने के लिए बिहार में प्रकट रूप से बड़ी संख्या में निजी सेनाएं बन गई हैं। इनमें से रणवीर सेना सबसे सक्रिय हैं। हालांकि, रणवीर सेना को राज्य सबसे सक्रिय हैं। हालांकि, रणवीर सेना को राज्य सरकार द्वारा 1995 में विधि विरुद्ध संगठन घोषित किया गया था, इसकी गतिविधियां अक्षुण्ण रूप से चलती रहीं।

अन्य बातों के साथ-साथ, राज्य में कानून और व्यवस्थ की स्थिति का आकलन करने के बाद भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत बिहार में 12.2.1999 से राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया हैं।

श्री जलालुद्दीन अंसारी : सभापति महोदय, रणवीर सेना बिहार में भुस्वामियों की सेना हैं और इसका मुख्यलक्ष्य भूमि सुधार कानूनों को न होने देना हैं, अर्थात जमीन का बंटवारा न हो और गरीबों को जमीन न मिल सके और इसके साथ ही खेतिहर मजदूर, जो न्यूनतम मजदूरी मांगते हैं, उस न्यूनतम मजदूरी का भी यह विरोध करती हैं। यह भूस्वामियों की सेना हैं और इस संबंध में,

$ तारांकित प्रश्न सं0 23 और 27 साथ साथ लिये गये।

महोदय आपको भी मालूम हैं सारे देश को मालूम हैं और हाऊस को भी मालूम हैं कि 25 जनवरी को जिसका जवाब गृह मंत्री जी ने दिया हैं । शंकरधोगा में 22 दलितों और पिछड़ों की हत्या कर दी गई । मैं वहां खुद गया था, उनके घर में कोई दरवाजा भी नहीं था । इस तरह के लोगों की हत्याएं हुई । उसके बाद नारायणपुर में 10 फरवरी को हत्याएं हुई । वहां भी मैं गया था । दुर्भाग्य हैं कि उन गरीबों को साक्षी को देखते-देखते अब तो हम लोगों की आंखे भी पथरा गई हैं, अब हम लोगों की संवदेना मर गई हैं, यह मैं इस हाऊस के सामले कहना चाहता हूं । उसके बाद 12 तारीख को बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू हुआ और 14 तारीख को शंकर धीगा के उसरी में दिन में चार-साढ़े बार बजे हथियारबंद गिरोह आए और उन्होंने दुकान पर बैठे सात लोगों की हत्याएं कर दी, जिसमें तीन स्वर्ण जाति थे, दो पिछड़ी जाति के और दो दलित वर्ग के थे । तो यह हैं बिहार की स्थिति । मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)... मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)... मेरी बात को सुनिए ...(**व्यवधान**)...

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी : दलितों की लाभों से खिलवाड़ मत कीजिए, मसले को सही तरीके से लीजिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री जलालुद्दीन अंसारी : मैं माननीय गृह मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि रणवीर सेना के संबंध में बिहार पें आम चर्चा हैं कि इसको कुछ राजनीतिक दलों का संरक्षण और समर्थन प्राप्त हैं, भारतीय जनता पार्टी का भी उस संगठन कों संरक्षण और समर्थन प्राप्त हैं ...(**व्यवधान**)... मैं गृह मंत्री जी से जाना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)... मैं गृह मंत्री जी से जाना चाहता हूं कि आपकी पार्टी पर यह आरोप हैं, साथ ही साथ जिन दलों का रणवीर सेना को संरक्षण व सहयोग प्राप्त हैं, आप उनके बारे में सदन को बताएं ।

श्री सभापति : मंत्री जी को जवाब देने दीजिए ...(**व्यवधान**)... आपका सवाल हो गया ।

श्री जलालुद्दीन अंसारी : सर, मैं पुनः वह कहना चाहता हूं कि गृह मंत्री यह बताएं कि किन दलों का समर्थन रणवीर सेना को प्राप्त हैं ? इसकी जानकारी वह सदन को दें ।

†**شری جلال الدین انصاری:** سر میں پھر یہ کہنا چاہتا ہوں کہ گرہ منتری یہ بتائیں کہ کن دلوں کا سمرتھن رنبیر سینا کو حاصل ہے۔ اسکی جانکاری وہ سدن کو دیں۔

श्री सभापति : ठीक हैं, हो गया ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : सभापति महोदय, माननीय सदस्य उस स्थान पर गए और मुझे विश्वास हैं कि इस प्रकार की घटनाएं जहां पर होती हैं,वहां अगर कोई प्रत्यक्ष जाएगा तो उसको सहज ही यह बात समझ में आएगी कि इस मामले को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए ...(**व्यवधान**)...

सभापति जी, मैं इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि इस सारे घटना क्रम की तह में बिहार में भूमि-सुधार का ठीक प्रकार से लागू न होना एक प्रमुख कारण हैं और जो उन्होंने बात कहीं कि इसकी तह में कुछ भुस्वामी हैं यह सच्चाई हैं । इसमें सबसे अधिक शिकार वे होते हैं जो दलित हैं, जो जनरली ऐग्रीकल्चरल लेवर हैं, वे सबसे अधिक मुक्तीभोगी होते हैं । इसीलिए मुझे इस बात की बिहार सरकार ने निर्णय किया हैं कि यह रणवीर सेना जो एक प्रकार से विभिन्न सेनाओं में सबसे अधिक एग्रेसिव हैं और इन हत्याकांडों में सबसे अधिक लिप्त हैं उसका किसी राजनीतिक दल से या किसी राजनीतिक तत्व से संबंध हैं या नही, इसकी जानकारी करनी चाहिए । मुझे मुझे बहुत खुशी हुई जब 1997 में बिहार की सरकार ने इसके लिए जस्टिस अमीरदास कमीशन बनाया । जस्टिम अमीरदास एक सिटिंग जज हैं, और उनको सरकार ने कहा कि आप इस बात की छानबीन करिए कि रणवीर सेना के पोलिटिकल ऐंटीसीहेंद्स क्या हैं, उनके पोलिटिकल संबंध क्या हैं लेकिन मुझे यह कहते हुए खेद होता हैं कि यद्यपि उस कमीशन को कहा गया कि आपको 6 महीने के अंदर काम पूरा करना है लेकिन आज के दिन तक उनको दफ्तर तक नहीं दिया गया हैं ...(**व्यवधान**)... कोई भेम करने की जरुरत नहीं हैं, मैं यह जरुर कहना चाहूंगा कि रणवीर सेना ...(**व्यवधान**)...

[ ] Transilterantion in Arabic Script.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी : श्रीकृष्ण कमीशन की रिपोर्ट का चुकी हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री संघ प्रिय गौतम : उससे क्या मतलब हैं इसका ? उससे कोई मतलब नहीं हैं ...(**व्यवधान**)...

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी : सवाल यह हैं कि श्री कृष्ण कमीशन की रिपोर्ट पर को कार्यवाही नहीं हो रही हैं ...(**व्यवधान**)

†مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: سوال یہ ہے کہ "شری کرشنا" کمیٹی کی رپورٹ پر کوئی کارروائی نہیں ہو رہی ہے..."مداخلت"...

SHRI L. K. ADVANI: I am not yielding. Sir, I will confine myself. .... *(Interruptions)...*

श्री सभापति : आप बताइए ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : सभापति महोदय, मैं इस मत का हूं कि इस प्रकार की सेनाएं जहां-जहां भी बनती हैं,व ह कानून और व्यवस्था के लिए एक संकट पैदा करती हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, रणवीर सेना, भाजपा-समता का भाई हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आगे मत आइए ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश यादव : सभापति जी, रणवीर सेना, भाजपा-समता का भाई हैं, यह इससे स्पष्ट हैं । मैं यह कागज सदन के पटल पर रखना चाहता हूं ।

MR. CHAIRMAN: No. It cannot be laid on the Table of the House. I am not giving permission for that.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : सभापति जी, रणवीर सेना जैसे संगठनों के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि जस्टिस अमीर दास आयोग अपना कार्य पूरा करें और इसमें जो भी दोषी हो व्यक्तिगत रूप से या संगठन के रूप में, उसको दंडित किया जाए, यह सरकार की नीति होगी ।

श्री जलालुद्दीन अंसारी : में गृह मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि रणवीर सेना सहित अन्य सेनाओं के हथियारों को निरस्त करने और उन पर पाबंदी लगाने के लिए इनकी सरकार क्या करने जा रही हैं ?

†شری جلال الدین انصاری: میں گرہ منتری جی سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ رنبیر سینا سمیت دیگر سیناؤں کے ہتیاروں کو نرست کرنے اور ان پرپابندی لگانے کے لئے انکی سرکار کیاکرنے جا رہی ہے۔

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Defence expenditure for combating militant activities in North East

*25. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the total defence expenditure for combating militant activities in the North Eastern Region, till date; and

(b) whether Government have taken measures to restrengthen the relationship with the countries bordering the North Eastern States?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERANANDES): (a) The defence expenditure for combating the militant activities in the North Eastern region since January 1990 is approximately assessed as Rs. 4200 crores excluding pay and allowances.

(b) The Government is committed to maintaining friendly and cordial relationship with our neighbouring countries and in pursuance of this avowed policy, has taken necessary steps from time to time to further strengthen relations with them.

†[ ]Transilteration in Arabic Script